दैनिक भास्कर

मिलावट का खेल:170 रुपए में सप्लाई करता था नकली घी, व्यापारी 550 रुपए में ग्राहकों को बेचते थे

नीमकाथाना/सीकर6 दिन पहले

- नीमकाथाना में सरस डेयरी की पैकिंग में अलवर से आया 266 लीटर नकली घी जब्त, एक गिरफ्तार
- आमजन की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं मिलावटखोर, एक ही माह में पांच मामले सामने आए

नीमकाथाना पुलिस ने मंगलवार को सरस डेयरी की पैकिंग में नकली घी सप्लाई करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस की विशेष टीम ने खेतड़ी मोड़ पर एक कार में 19 टीन में भरे 266 लीटर नकली घी जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी डिमांड मिलने पर अलवर से हर ब्रांड का नकली घी नीमकाथाना सहित आसपास के इलाकों में सप्लाई करता था। पुलिस नकली घी के बड़े कारोबार का खुलासा कर सकती है। इसे लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीआई राजेश डूडी व टीएसटी प्रभारी सीआई अशोक चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरओबी के पास कान्हा होटल के सामने एक कार को रोका। पूछताछ में रंदकुशलावास ततारपुर-अलवर निवासी रणजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह ने सरस की पैकिंग में नकली घी सप्लाई करने की बात कबूल की। सूचना पर पहुंचे खाद्य निरीक्षक रतनसिंह गोदारा ने सैंपल लिए। वहीं ट्रेड मार्क के गलत उपयोग व कॉपीराइट एक्ट के तहत पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस टीम में आरपीएस कर्णसिंह, जितेन्द्र कुमार, सतीश कुमार, भूपेन्द्र सिंह, सुभाष, हरिश, रमेश कुमार व प्रदीप शामिल थे।

ऑन डिमांड हर ब्रांड का नकली घी तैयार करता है आरोपी : आरोपी ऑन डिमांड हर ब्रांड का नकली घी तैयार कर सप्लाई करता था। आरोपी रणजीत सिंह ने बताया कि वह सोया तेल, डालडा घी वह एसेंस मिलाकर नकली घी तैयार करता है। कारोबार से जुड़े लोगों ने अब तक नीमकाथाना में हजारों लीटर नकली घी की आपूर्ति की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर नकली घी कारोबार के मुख्य सरगना की जानकारी जुटा रही है। अलवर से डिमांड मिलने पर आरोपी कार से नकली घी सप्लाई करने आते हैं।

पुलिस से बचने के लिए कार पर प्रेस लिखाया हुआ था। 170 रुपए लीटर का नकली घी 550 रुपए में बिकता है आरोपी अलवर से नीमकाथाना 170 रुपए प्रति लीटर की दर से नकली घी सप्लाई करते हैं। ऑर्डर के हिसाब से ब्रांड तैयार करते हैं। बाजार में व्यापारी इस नकली घी को 550 रुपए प्रति लीटर तक बेचते हैं।

आमजन की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं मिलावटखोर, एक ही माह में पांच मामले सामने आए

जिले में मिलावट के काले कारोबार से जुड़े लोग आमजन की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। जिले में महज एक महीने में मिलावट और नकली घी-दूध के पांच बड़े मामले सामने आ चुके हैं। ज्यादातर मामलों में असली की आड़ में अधिकृत डीलर ही बाजार में नकली माल खपा रहे हैं। इसके बावजूद जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस चुप्पी साधे हुए है। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ सैंपल लिए जाते हैं। लगातार सामने आ रहे मिलावटी दूध और नकली घी के मामले पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर अफसरों के हाथ इस काले कारोबार को चलाने वाले सरगना तक क्यों नहीं पहुंच पा रहे हैं

कोरोनाकाल में यूं फेल रहा है मिलावटी दूध और नकली घी का काला कारोबार

1.कांवट में 30 अगस्त को नकली घी बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई। मौके से 450 लीटर नकली घी पकड़ा गया। यह घी सरस, लॉट्स, नोवा ब्रांड जैसी पैकिंग में बेचा जाता था। माल जब्त करने के साथ पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। जांच के दौरान कोटपूतली सीओ ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया। कांवट में पकड़ा गया नकली घी कारखाने का संचालक भी लोट्स डेयरी का अधिकृत डीलर था।

सिस्टम पर सवाल : दो साल से नकली घी का कारखाना चलता रहा, लेकिन स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लगी। मामला पकड़े जाने के बाद भी स्थानीय पुलिस ने कोई पड़ताल नहीं की।

2. जिले में चित्तौड़गढ़ सरस डेयरी की फर्जी पैकिंग में दूध सप्लाई का मामला सामने आ चुका है। **1**5 दिन तक सीकर में यह दूध सप्लाई होता रहा है। महज पांच दिन में 35 हजार लीटर दूध बाजार में बेचने और दूध फटने के बाद मामले का खुलासा हुआ। यह दूध भी सरस डेयरी के अधिकृत परिवहन ठेकेदारों के वाहनों से ही बूथ संचालकों तक पहुंचाया गया।

आरसीडीएफ की ओर से मामले में जांच अधिकारी लगाया गया।

सिस्टम पर सवाल : डेयरी ने मामले में दोषियों को तलाश करने की बजाय पूरे मामले पर पर्दा डाल दिया। परिवहन ठेकेदारों के नए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी।

Source: https://www.bhaskar.com/local/rajasthan/sikar/news/used-to-supply-fake-ghee-for-rs-170-traders-used-to-sell-it-to-customers-for-rs-550-127723386.html